दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 10 जनवरी 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 104

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

गया में हाईवा की चपेट में आने से बाइक सवार तीन लोगों की मौत

गया (आरएनएस)। बिहार में गया जिले के चंदौती थाना क्षेत्र में सोमवार को हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि गया-टिकारी मुख्य सडक़ मार्ग के केवाली और जमुने गांव के बीच तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आ जाने से एक बाइक पर सवार तीन लोगों की मौत हो गयी। दुर्घटना के बाद हाइवा चालक वाहन छोडक़र फरार हो गया। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान जिले के टिकारी थाना क्षेत्र के नेपा पंचायत के विशुनगंज गांव निवासी मोहम्मद तंजीर (22), मोहम्मद मिस्बाह (20) और मोहम्मद सादिक अंसारी (67) के रूप में की गयी है। मिस्बाह और तंजीर सहोदर भाई है। मिस्बाह अपने भाई तंजीर और गांव के ही मोहम्मद सादिक को गया रेलवे स्टेशन पहुंचाने जा रहा था तभी यह दुर्घटना हुयी। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

अंगीठी ने सुलाया मौत की नींद, 10 ने गंवाई जान

बठिंडा (आरएनएस)। ठंड में अंगीठी चलाकर सो रहे 2 राज्यों में 10 लोगों की मौत होने का मामला सामने आया है। राजस्थान के चूरू जिले के रतनगढ़ में सर्दी से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सोए परिवार की दम घुटने से 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है और बीकानेर में भी ऐसी ही घटना में पति-पत्नी की मौत हो गई। वहीं पंजाब के संगरूर जिला की तहसील सुनाम के गांव ननहेड़ा के शेलर में पांच मजदूरों की मौत हो गई। जबकि एक बेसुध मजदूर अस्पताल में उपचाराधीन है। चूरू जिले के रतनगढ़ सीआई सुभाष बिजारणिया ने बताया कि रविवार रात को गौरीसर गांव निवासी अमरचंद प्रजापत की पत्नी सोना देवी (58), बहू गायत्री देवी (36) पति राजकुमार, पोती तेजस्विनी (3) और 3 महीने का पोता खुशीलाल एक कमरे में सो रहे थे। सुबह जब परिजनों ने कमरे में आवाज लगाई तो अंदर कमरे से कोई आवाज नहीं आई। अमरचंद ने खिडक़ी तोडक़र देखा तो सभी लोग सौ रहे थे वहीं 3 महीने का पोता खुशीलाल रो रहा था। जब खिडक़ी तोड़ अंदर कमरे में गए तो देखा पति, पत्नी व पोती मृत थी। वहीं घायल बच्चे को डाक्टरों ने वेंटिलेंटर पर रखा है। बीकानेर के बीछवाल थाना क्षेत्र में भी दम घुटने से पति-पत्नी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अनिल (40) और पूर्णिमा (36) रात को कमरे में सिगड़ी जलाकर सो गए थे। संगरूर की तहसील सुनाम के गांव ननहेड़ा के शेलर में 5 मजदूरों की मौत हो गई। जबकि एक बेसुध मजदूर अस्पताल में उपचाराधीन है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील दंगों पर जताई चिंता

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील में सरकारी संस्थानों के खिलाफ हो रहे दंगों और तोडफ़ोड़ पर सोमवार को चिंता जताई। मोदी ने ट्वीट किया, ब्राजीलिया में सरकारी संस्थानों के खिलाफ दंगे और तोड़-फोड़ की खबरों से बेहद चिंतित हूं। सभी को लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। हम ब्राजील के अधिकारियों को अपना पूरा समर्थन देते हैं। रविवार को ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के हजारों समर्थकों ने देश के कांग्रेस, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति कार्यालय पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारी वाम नेता लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के राष्ट्रपति निर्वाचित होने का विरोध कर रहे हैं।

शीतलहर का दौर जारी : घने कोहरे के कारण दृश्यता घटकर हुई 25 मीटर

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को लगातार पांचवें दिन भी शीतलहर का दौर जारी रहा, जबकि घने कोहरे के कारण दृश्यता घटकर महज 25 मीटर रह गई जिससे सडक़, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हुआ. अधिकारियों ने यह जानकारी दी.

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी के अनुसार, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के पास पालम वेधशाला और सफदरजंग वेधशाला में दृश्यता 25 मीटर दर्ज की गई. रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि कोहरे के कारण करीब 29 ट्रेनें दो से पांच घंटे की देरी से चल रही हैं. आईजीआई पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि करीब 15 विमानों ने देरी से उड़ान भरी और एक के मार्ग को परिवर्तित किया गया. उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में पंजाब, उत्तर-पश्चिम राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार तक कोहरे की परत छाई दिखाई दी.

दिल्ली में लगातार पांचवे दिन भी शीतलहर जारी रहने के साथ ही न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई. सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो रविवार को 1.9 डिग्री सेल्सियस रहा था. लोधी रोड, आयानगर और रिज के मौसम केंद्रों में न्यूनतम तापमान क्रमश: 3.6 डिग्री सेल्सियस, 3.2 डिग्री सेल्सियस और 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

घने कोहरे के चलते करीब 40 फीट नीचे गिरा टमाटर से भरा कैंटर, ड्राइवर और क्लीनर घायल

ग्रेटर नोएडा(आरएनएस)। घने कोहरे के चलते एक के बाद एक एक्सीडेंट के मामले सामने आ रहे हैं। बीती शाम से ग्रेटर नोएडा, नोएडा समेत कई इलाकों में घना कोहरा छाया हुआ है। ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेस वे के जीरो पॉइंट पर टमाटर से भरा कैंटर करीब 40 फीट नीचे गिर गया। कैंटर में मौजूद ड्राइवर और क्लीनर को गंभीर चोटें आई हैं जिन्हें ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टमाटर से भरा आईसर कैंटर ग्रिल तोडक़र घने कोहरे की वजह से नीचे गिर गया। पुलिस के आला अधिकारी समेत नॉलेज पार्क थाना पुलिस मौके पर मौजूद है। पीआरवी व पुलिसकर्मियों ने घायल को निकालकर अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना नालेज पार्क क्षेत्र के अंतर्गत प्रात: करीब 5 बजे सफीपुर सर्विस रोड के पास जीरो प्वाइंट पर आगरा से परीचौक पर उतरने वाले साइड से एक कैंटर जिस पर टमाटर लदा हुआ था, फ्लाईओवर के ऊपर से नीचे गिर गयी जिसमे दो ड्राइवर दानिश और रिहान घायल हो गये। उनको पुलिस द्वारा जिम्स अस्पताल भिजवाया गया है। मौके पर पुलिस बल मौजूद है। अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शीतलहर की चपेट में तेलंगाना, पारा 5 डिग्री से नीचे

तेलंगाना शीतलहर की चपेट में है और कुछ स्थानों पर रात का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने ठंड की स्थिति के लिए राज्य में निचले स्तर की उत्तर-पूर्वी हवाओं को जिम्मेदार ठहराया है। तेलंगाना के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री कम रहा। संगारेड्डी का कोहिर 4.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ राज्य में सबसे ठंडा रहा।

दो बसों की टक्कर में 40 लोगों की दर्दनाक मौत, राष्ट्रपति ने की तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा

डकार । सेनेगल के कैफरीन क्षेत्र में दो बसों की टक्कर में 40 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी सॉल ने यातायात दुर्घटना के बाद तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर कहा, ग्नीबी (कैफरीन क्षेत्र में) में हुई आज की गंभीर दुर्घटना के बाद, जिसमें 40 लोगों की मौत हो गई, मैंने 9 जनवरी से 3 दिनों के राष्ट्रीय शोक का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सडक़ सुरक्षा और सार्वजनिक यात्री परिवहन पर कड़े कदम उठाने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी परिषद उसी तारीख को एक बैठक आयोजित करेगी। फिलहाल इस जानलेवा हादसे के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है।

स्कूल बस में सामने से भिड़ी ट्रक, 12 बच्चे घायल

हापुड़ (आरएनएस)। दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह कोहरे के कारण ट्रक एक स्कूल बस के सामने से आकर भिड़ गया, जिससे 12 बच्चे घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, हादसा उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के अंतर्गत सिंभावली थाना क्षेत्र में हुआ। बस एक निजी स्कूल की बताई जा रही है। सभी घायलों को पास के अस्पताल में भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, हाईवे संख्या नौ स्थित गन्ना समिति के सामने सडक़ हादसा गलत दिशा से आ रहे ट्रक चालक की वजह से हुआ है जो कोहरे के कारण सामने से आ रही स्कूल बस को देख नहीं पाया। यहां अक्सर ऐसे हादसे होते हैं। बताया जा रहा है कि कोहरे के कारण स्कूल 10 बजे से खोलने के आदेश थे, लेकिन बच्चों को जबरन पहले बुलाया गया था।

देश में कोरोना संक्रमण के 170 नए मामले

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 170 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढक़र 4,46,80,094 हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 2,371 रह गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 से भारत में अभी तक 5,30,721 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण की दैनिक दर 0.20 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 0.11 प्रतिशत है।

अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 2,371 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 52 मामलों की कमी दर्ज की गई है। वहीं, देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.80 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में अभी तक कुल 4,41,47,002 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.14 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

जोशीमठ भू धंसाव : पौराणिक शंकराचार्य मठ में दरारें, खंडित हुआ शिवलिंग, शिव मंदिर धंसा, खौफ का मंजर

चमोली (आरएनएस)। जोशीमठ के लिए आज हर कोई मिलकर प्रार्थना कर रहा है। पूरा शहर बर्बाद हो रहा है। जमीनोजद हो रहे इस शहर को अब बचा पाना कठिन सा लग रहा है। हालांकि केंद्र और राज्य दोनों की सरकारें इससे बचाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है।

वहीं आदि गुरु शंकराचार्य मठस्थली भी भू-धंसाव का शिकार होने लगी है। मठस्थली में मौजूद शिव मंदिर करीब छह इंच धंस गया है। और यहां रखे हुए शिवलिंग में दरारें आ गई हैं। मंदिर के ज्योर्तिमठ का माधवाश्रम आदि शंकराचार्य ने बसाया था। यहां देशभर से विद्यार्थी वैदिक शिक्षा व ज्ञानार्जन के लिए आते हैं। वर्तमान में भी 60 विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। दरअसल आदि गुरु शंकराचार्य मठस्थली के भीतर ही शिवमंदिर है। इस मंदिर में कई लोगों की मान्यता है । वर्ष 2000 में शिवलिंग जयपुर से लाकर स्थापित किया गया था। इतना ही नहीं, मान्यता अनुसार शंकराचार्य आज से 2500 वर्षों पूर्व जिस कल्प वृक्ष के नीचे गुफा के अंदर बैठकर ज्ञान की प्राप्ति की थी। आज उस कल्प वृक्ष का अस्तित्व मिटने की कगार पर हैं। इसके अलावा परिसर के भवनों, लक्ष्मी नारायण मंदिर के आसपास बड़ी- बड़ी दरारें पड़ गई हैं। ज्योतिर्मठ के प्रभारी ब्रह्मचारी मुकुंदानंद ने बताया कि मठ के प्रवेश द्वार, लक्ष्मी नारायण मंदिर और सभागार में दरारें आई हैं। इसी परिसर में टोटकाचार्य गुफा, त्रिपुर सुंदरी राजराजेश्वरी मंदिर और ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य की गद्दी स्थल है। मंदिर के पुजारी वशिष्ठ ब्रहमचारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले करीब 12-13 माह से यहां धीरे-धीरे दरारें आ रहीं थीं। मगर किसी को यह अंदाजा तक नहीं था कि हालात यहां तक पहुंच जाएंगे। पहले दरारों को सीमेंट लगाकर रोकने का प्रयास किया जा रहा था। लेकिन पिछले सात-आठ दिन में हालात बिगडऩे लगे हैं। मंदिर करीब छह से सात इंच नीचे की ओर धंस चुका है। दीवारों के बीच गैप बन गया है। मंदिर में विराजमान शिवलिंग भी धंस रहा है। पहले उस पर चंद्रमा के आकार का निशान था जो कि अब अचानक बढ़ गया है। वहीं नृसिंह मंदिर परिसर में भी फर्श धंस रहा है। मठभवन में भी दीवारों में दरारें आने लगी हैं। यह फर्श 2017 में डाला गया था, जिसकी टाइलें बैठने लगी हैं। कुल मिला कर जोशीमठ को हमारी प्रार्थनाओं की और उससे भी ज्यादा सख्त कार्यवाही की जरूरत है ताकि समय रहते हालात काबू में लाए जा सकें।

जबरन धर्मांतरण गंभीर मुद्दा, इसे राजनीतिक न बनाएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की मदद मांगी। न्यायमूर्ति एम.आर. शाह की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि धर्म परिवर्तन एक गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दा है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए।

बल प्रयोग या प्रलोभन के जरिए धर्म परिवर्तन के खिलाफ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर याचिका पर पीठ में शामिल न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार ने एजी की मदद मांगी।

न्यायमूर्ति शाह ने एजी से कहा , यह धर्मांतरण का मामला है। जबरन धर्म परिवर्तन, प्रलोभन या कुछ अन्य चीजें, ये आरोप हैं .. हम कुछ भी नहीं कह रहे हैं, यह वास्तव में हुआ है या नहीं, हम अभी इस पर विचार कर रहे हैं। हम भारत के अटॉर्नी जनरल के रूप में इस पर आपकी मदद चाहते हैं।

उन्होंने पूछा, ऐसे मामले में क्या किया जाना चाहिए? .. स्वतंत्रता के अधिकार, धर्म के अधिकार और प्रलोभन द्वारा किसी भी चीज को धर्मांतरित करने के अधिकार में अंतर है। अगर ऐसा हो रहा है, तो क्या किया जाना चाहिए .. आगे क्या सुधारात्मक उपाय किए जा सकते हैं.. हम एजी से सहायता चाहते हैं। तमिलनाडु सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने कहा कि यह याचिका राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने तर्क दिया कि राज्य में इस तरह के धर्मांतरण का कोई सवाल ही नहीं है। इस पर पीठ ने कहा, आपके इस तरह उत्तेजित होने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। अदालती कार्यवाही को अन्य चीजों में मत बदलिए। हमें पूरे देश की चिंता है.. अगर यह आपके राज्य में कुछ भी गलत नहीं हो रहा है, तो अच्छा है। इसे राजनीतिक मत बनाइए। अदालत उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र और राज्यों को फर्जी धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई है। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई सात फरवरी को निर्धारित की है। शीर्ष अदालत ने उपाध्याय द्वारा अपने नाम पर दायर जनहित याचिका पर वकीलों की आपत्ति के रूप में कारण शीर्षक का नाम बदलकर 'पुन: धार्मिक रूपांतरण का मुद्दा' कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 5 दिसंबर को कहा था कि जबरन धर्मांतरण 'बहुत गंभीर मुद्दा' है और इस बात पर जोर दिया था कि दान का स्वागत है, लेकिन दान का उद्देश्य धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने केंद्र को धर्मांतरण विरोधी कानूनों और अन्य प्रासंगिक सूचनाओं के संबंध में विभिन्न राज्य सरकारों से आवश्यक प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद एक विस्तृत जवाब दाखिल करने की अनुमति दी। गुजरात सरकार ने अपनी लिखित प्रतिक्रिया में कहा, यह विनम्रतापूर्वक पेश किया गया है कि 2003 का अधिनियम (गुजरात धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम, 2003) एक वैध रूप से गठित कानून है और विशेष रूप से 2003 के अधिनियम की धारा 5 का प्रावधान है, जो पिछले 18 वर्षों से क्षेत्र में है और इस प्रकार कानून का एक वैध प्रावधान है, ताकि 2003 के अधिनियम का उद्देश्य पूरा हो सके और समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों सहित महिलाओं और पिछड़े वर्गों के पोषित अधिकारों की रक्षा करके गुजरात राज्य के भीतर सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

टीवी चैनलों पर सरकार सख्त, ऋषभ पंत की दुर्घटना का हवाला देते हुए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सोमवार को सभी टेलीविजन चैनलों को सलाह दी कि वे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के खिलाफ हिंसा सहित दुर्घटनाओं, मौतों और हिंसा की ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग न करें, जो शालीनता से समझौता करती हो और छोटे बच्चों को प्रभावित करती हो। मंत्रालय द्वारा टेलीविजन चैनलों द्वारा विवेक की कमी के कई मामलों पर ध्यान दिए जाने के बाद यह एडवाइजरी जारी की गई है। मंत्रालय ने क्रिकेटर ऋषभ पंत से जुड़ी दुर्घटना का हवाला दिया, जिसमें मंत्रालय ने कहा, दुर्घटना में घायल क्रिकेटर की दर्दनाक तस्वीरें और वीडियो को बिना ब्लर करके दिखाया गया। मंत्रालय ने कहा, टीवी चैनलों ने व्यक्तियों के शव और तस्वीरें, आसपास खून के छींटे घायल व्यक्तियों के वीडियो, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित लोगों को नजदीक से बेरहमी से पीटते हुए, लगातार रोते हुए दिखाया है। कई मिनटों तक बार-बार दिखाई जाती हैं, जिससे यह और भी भयानक हो जाता है। बयान में आगे कहा गया, इस तरह की घटनाओं की रिपोर्टिंग का तरीका दर्शकों के लिए अरुचिकर और परेशान करने वाला होता है। एडवाइजरी में आगे कहा गया,टीवी, आमतौर पर घरों में परिवारों द्वारा देखे जाने वाला एक प्लेटफॉर्म है, जिसमें सभी समूहों के लोग वृद्ध, मध्यम आयु वर्ग, छोटे बच्चे आदि शामिल है। विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के साथ, प्रसारकों के बीच जिम्मेदारी और अनुशासन की निश्चित भावना रखें, जो प्रोग्राम कोड और विज्ञापन कोड में निहित हैं।

पुंछ में हिंदुओं के घरों पर पत्थरबाजी, लोगों में दहशत

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी द्वारा हिंदू परिवारों को एक बार फिर टारगेट किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में देर रात हिंदू लोगों के घरों में पत्थर मारे गए। जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोगों द्वारा पुलिस से सहायता मांगी गई है।

वहीं, इस घटना की जानकारी मिलने पर एसएचओ रंजीत सिंह राव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया। इस बीच नगर से हिंदुओं के संगठनों के पदाधिकारियों ने भी वहां पर पहुंचकर अल्पसंख्यकों से मुलाकात की और उन्हें हौसला दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटना की जानकारी हासिल कर जांच शुरू कर दी है।

उधर, क्षेत्र के लोगों ने इस घटना की निंदा करने के साथ उनका कहना है कि कुछ शरारती तत्व गांव में सांप्रदायिक तनाव पैदा करना चाहते हैं इसलिए पुलिस को इस मामले की जांच करने के साथ ही गांव में सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए ताकि गांव का माहौल खराब न हो सके।

बता दें कि सुरक्षा बलों ने 7 जनवरी की रात पुंछ के बालाकोट सेक्टर में घुसपैठ की करने की तैयारी में थे, इस दौरान सेना के जवानों ने आतंकवादियों की कोशिश को नाकाम कर दिया था। आपेरशन दौरान सेना ने 2 आतंकवादी को मार गिराया था, आतंकवादियों के पास से सुरक्षा बलों ने एक-एक एके 47, एके 56 राइफल, एक चीनी पिस्तौल, दो चीनी हथगोले और दो ढ्ढश्वष्ठ बरामद किए थे।

भारत के राष्ट्रदूत हैं प्रवासी भारतीय, जी-20 विश्व को भारत के बारे में बताने का अवसर : पीएम

इंदौर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विश्व भर में फैले प्रवासी भारतीय समुदाय को भारत के 'राष्ट्रदूत' की संज्ञा देते हुए कहा कि जी-20 सम्मेलन की मेजबानी भारत के लिए एक अवसर की तरह है और प्रवासी भारतीय समुदाय भी इसे दुनिया को भारत के बारे में जानकारी देने के एक मौके के तौर पर ही देखें।

मोदी ने आज यहां आयोजित 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के औपचारिक उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये बात कही। इस दौरान गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली, सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत कई अन्य गणमान्य लोग और बडी संख्या में प्रवासी भारतीय उपस्थित थे।

अपने करीब 25 मिनट के संबोधन में मोदी ने प्रवासी भारतीय समुदाय के समक्ष कई सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि सभी प्रवासी भारतीय विदेशी धरती पर भारत के राष्ट्रदूत हैं। सरकारी व्यवस्था में राजदूत होते हैं, लेकिन भारत की महान विरासत में राष्ट्रदूत हुआ करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रवासी भारतीय मेक इन इंडिया, योग, हस्तशिल्प और अब मिलेट्स के भी राष्ट्रदूत हैं। इसी क्रम में उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से आग्रह किया कि वे लोग अपने साथ कुछ मिलेट्स उत्पाद अवश्य लेकर जाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की अभूतपूर्व विकास गति को पूरी दुनिया गौर से देख रही है। आने वाले दिनों में ये गति और बढ़ेगी। दुनिया में भारत के प्रति जिज्ञासा के इस दौर में प्रवासी भारतीयों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। प्रवासी भारतीय भारत के बारे में तथ्यों के साथ जानकारी पूरी दुनिया को दे सकते हैं।

इसी क्रम में उन्होंने जी-20 सम्मेलन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के प्रतिनिधिमंडल इस साल भारत आएंगे। इन प्रतिनिधिमंडलों को प्रवासी भारतीय भारत के बारे में पहले से ही जानकारी दे सकते हैं और इनके भारत से वापस लौटने के बाद प्रवासी भारतीय उन्हें अपने घर बुला कर उनसे यहां के अनुभवों के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

इससे दोनों देशों के बीच बंधन और मजबूत होंगे।

प्रधानमंत्री ने युवा प्रवासी भारतीयों का भी आह्वान करते हुए कहा कि युवा अपने पूर्वजों के देश के बारे में गहराई से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वे भारत में आयोजित पर्वों, मेलों और आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रमों में आ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ भारतीय कई देशों में सदियों से बसे हैं और उनका उस देश के निर्माण में अहम योगदान है। ऐसे लोगों के जीवन, संघर्ष और उनके योगदान का दस्तावेजीकरण किया जा सकता है। समारोह में उपस्थित गुयाना और सूरीनाम के राष्ट्राध्यक्षों का आभार प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके सभी सुझावों पर भारत खरा उतरेगा।